NT>

Title: Need to restart drilling operations by Central Underground Water Board in Banda and Chitrakut Districts in Uttar Pradesh.

श्री राम सजीवन (बांदा) : उपाध्यक्ष महोदय, केन्द्रीय भूजल बोर्ड द्वारा त्वरित अन्वेाणात्मक ड्रिलिंग कार्यक्रम के अंतर्गत संवेदात्मक ड्रिलिंग करने की योजना विगत कई वार्ों से चल रही है। इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के बांदा, हमीरपुर, जालौन और ललितपुर जिलों में 51 अन्वेाणात्मक कुएं खोदे गये हैं और उनमें कुछेक में अच्छी सफलता भी मिली है और उन्हें राज्य सरकार को सौंप दिया गया है। इससे पेयजल और सिंचाई की समस्या को हल करने में पर्याप्त सहायता मिली है। बांदा और चित्रकूट जिले अक्सर सूखा अकाल से पीड़ित हो जाते हैं और वहां पेयजल तथा सिंचाई की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है। केन्द्रीय भूजल बोर्ड द्वारा इन जिलों के कुछ क्षेत्रों में अन्वेाणात्मक बोरिंग विगत कई वार्ों पूर्व में की गई थी और उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हुए थे। किन्तु विगत कुछ वार्ों से यह योजना रोक दी गई अथवा स्थगित कर दी गई है जिससे हाल के वार्ों में कोई अन्वेाणात्मक ड्रिलिंग नहीं की गई। चित्रकूट और बांदा जिलों के कुछ क्षेत्रों यथा ग्राम-सुरवल, खोंया, भदेदू, चांदी, धुमाई, नैनी, कुर्सीयान आदि में तत्काल अन्वेाणात्मक ड्रिलिंग (बोरिंग) करने और सफल बोरिंग के नलकूपों को राज्य सरकार को उपयोग/प्रयोग हेतु सौंपने की आवश्यकता है। अन्वेाणात्मक बोरिंग चलाने की इसलिए भी आवश्यकता है क्योंकि इन क्षेत्रों में राज्य सरकार ने नलकूप खोदने से पूर्णतया मनाही कर दी है।